सिनेमा देखबा लेल रिक्शा स गेलाह नीतीश

मैथिली मे पहिल इ-पेपर

इतिहास स सीखू विकास

समाद

• पटना, 28 फरवरी ,2009 • साप्ताहिक • अंक- 24 • साल-2 • इनटरनेट संस्करण

बीमारू नहि रहल बिहार

एसोचेम परसर्च ब्यूरोक रिपोर्ट क अनुसार बिहार 100 फीसदीक विकासक संग आगू बढ़ि रहल अछि

इ आलेख उत्तर भारतक एकटा एहन संपादकक छी, जे पिछला कई साल स विकसित बिहारक सपना देखि रहल छथि। प्रभात खबरक प्रधान संपादक **श्री हरिवंश जीक** इ आलेख पिछला मास 'प्रभात-खबर' मे छपल छल। बिहार कए बीमारू राज्यक कतार स अलग देखबाक सुख की हाइत छैक, इ कोनो बिहारी 48 साल बाद महसूस केलक अछि। बिहारक चिंता केनिहार एहि वरिष्ठ पत्रकारक मूल चिंता एहि गति कए बरकरार रखबाक अछि। आइ सबहक मन मे इ आशंका घर केने अछि जे विकासक गति अगर बरकरार नहि रहल त बिहार फेर ओहि कतार मे जा सकैत अछि। इ आशंका एतबा प्रबल अछि जे दिल्ली आ पटनाक कोनो अखबार या समाचार चैनल ऐसोचेमक एहि रिपोर्ट कए एहि रूप मे प्रकाशित नहि केलक। ककरो ओहि पर जेना विश्वासे नहि भेल। अगर विश्वास भेल त आशंका प्रबल रहल जे बिहार फेर ओहि कतार मे चल जाइत। मुदा इ आलेख एकटा एहन आशावादी पत्रकारक छी, जे बिहार के आगू बढ़ैत मात्र देखि नहि रहल अछि, बल्कि ओ एकरा आगू बढ़ैबा लेल जन-मानस कए सेहो तैयार कए रहल अछि।

छह दशक मे पहिल बेर बिहार कए बीमारू राज्य स बाहर मानल गेल। इ निष्कर्ष कोनो साधारण व्यक्ति या संस्था क नहि अछि। ई एसोचेम परसर्च ब्यूरो द्वारा तैयार रपट अछि। एकरा तैयार केलथि अछि नुसरत अहमद आ एसोचेम परसर्च ब्यूरो मिल कए। इ परपोर्ट अछि 'एसोचेम इन्वेस्टमेंट मीटर' (एसोचेम निवेश सूची)। परपोर्ट क नीचा उल्लेख अछि, शिफ्टिंग इनवेस्टमेंट डेस्टीनेशंस (निवेश क बदलते गंतव्य)। इ एक तिमाही क निवेश पैटर्न (पद्धति) क आकलन अछि। अगर हम सचेत नहि रहलहुं, हड़ताल, बंद, अव्यवस्था जइसन चीज चलैत रहल, त इ पैटर्न, अगिला तिमाही मे बदलि सकैत अछि। बिहार, फेर बीमा ब्रैकेट मे रहय लागत। इ चेंज एकटा अवसर अछि, अपन नियति बदलबाक । इ निवेश आंकड़ा फेजाइल (अस्थिर) तत्व अछि। अगर हम जी-जान स अपन तकदीर संवारबा मे लागी, त इ स्थायी सेहो बनि सकैत अछि। एसोचेम क निष्कर्ष वित्तीय वर्ष 2008-09 क तेसर तिमाही क अछि। एहि लेल इ संकेत भरि (फेजाइल) अछि। अगर इ स्थिति लगातार बनल रहल, त बिहार बीमारू ब्रैकेट (समूह) स बाहर निकलि जाइत। एसोचेम क एहि परपोर्ट क सारांश अछि जे वर्ष 2008-09 क तेसर तिमाही मे केवल चारिटा राज्य पोजिटिव ग्रोथ (सकारात्मक प्रगति) केलक अछि। एहिमे राजस्थान, पहिल स्थान पर अछि, 245 फीसदी क संग। बिहार दोसर नंबर पर अछि, 100 फीसदी क संग। फेर पंजाब (41.6 फ़ीसदी) आ उत्तरप्रदेश (26.8 फ़ीसदी) अछि। परपोर्ट मे इ सेहो उल्लेख अछि जे बुनियादी संरचना स रहित राज्य बिहार पिछला वित्तीय वर्ष (2007-08) क तेसर तिमाही तक कॉरपोरेट निवेश कए आकर्षित नहि कए पाबि रहल छल, मुदा राज्य सरकार क विकासोन्मुख प्रयास क कारण, भारतीय उद्योगपति शिक्षा, आइटी आदि क्षेत्र मे 304 करोड़ क आसपास राशि चालू वित्तीय वर्ष क तेसर तिमाही मे निवेश करबाक तैयारी मे अछि। इ परपोर्ट आ निष्कर्ष अपने आप मे बिहार क लेल गौरव क विषय हेबाक चाही। पहिल बेर बिहार कए बीमारू नहि कहबाक गप, अपने आप मे प्रेरक अछि। जश्न और उत्सव क विषय अछि। बिहार बदलि सकैत अछि, बिहार बढ़ि सकैत अछि आ बिहार विकसित भ सकैत अछि। कम स कम एकर झलक त भेटल। दरअसल बिहार क खिलाफ़ महाराष्ट्र और असम मे भ रहल आंदोलन क रचनात्मक जवाब बिहार क इ विकास अछि। भारत कए संदेश देब, अपन रचनात्मक काज स इ साबित करब जे हम सेहो बढ़ि सकैत छी। विकसित भ सकैत छी, इ बिहार क जवाब हेबाक चाही। दुनिया क जे मुल्क आइ प्रगति क सीढ़ी पर सबस आगू ठार अछि, ओकर अतीत देखू। जे लोक अत्यंत विपरीत परस्थिति मे सफलता क चोटी पर पहुंच कए यश अर्जित केलथि अछि, हुनकर इतिहास पलटू। रामायण क प्रसंग मन पारू, जखन हनुमानजी कए इ अहसास कराउल गेल जे हुनकर क्षमता की अछि, ओ केना समुद्र लांघि सकैत छथि। एहन अनंत प्रकरण अछि। एहि सबमे कॉमन फैक्टर (समान कारक) एकटा अछि । ओ अछि, मोटिवेशन (प्रेरणा)। 'हम होंगे कामयाब' गाना क मर्म की अछि? जाहि स देश क इतिहास बदलल, निजी जिनगी मे विश्वास आ आस्था भरल। नव बाट देखेलक। एहि लेल बिहार आ बिहारी कए एहि निष्कर्ष कए गहराई स बुझबाक चाहि । नव पहल क कोशिश करबाक चाही। बिहार बीमारू क घेरा स निकलि सकैत अछि, लगभग चारि दशक मे इ पहिल बेर साबित भेल अछि। इ घटना बिहारी कए रोमांचित करे, नव उड़ान क लेल ऊर्जा भरे, नव उत्साह स लोक अपन कर्म मे लगथि, इ हेबाक चाही। एहि स्थिति क बुनियादी श्रेय नीतीश कुमार क सरकार कए अछि। मुदा एकटा महत्वपूर्ण घटना बिहार मे भ रहल अछि, जाहि पर बिहारी कए गौर करबाक चाही। ओ घटना की अछि? इ कंपटीटिव पॉलिटिक्स (स्पर्धात्मक राजनीति) क दौर अछि। बिहार क राजनीति क एजेंडा आब विकास बनि गेल अछि आ बिहार क तीनू पैघ नेता लालूजी, रामविलासजी आ नीतीशजी पिछला कुछेक वर्ष मे बिहार क विकास क जेतबा प्रयास केलथि अछि, ओकरा एक ठाम जोड़ि कए देखबाक चाही। लालूजी जेतबा रेलक क्षेत्र में बिहार कए देलथि। रामविलासजी बरौनी मे कारखाना खुलबेलथि। बेतिया कए पहिल स्टील सिटीक दर्जा भेटल। एहि सबहक असर भविष्य मे देखल जाइत। नीतीश कुमार बिहार क राजनीति क एजेंडा बदलि देलथि अछि। विकास आब नारा या मुद्दा नहि भूख अछि। एसोचेम क परपोर्ट कए गहराई स देखू, त स्पष्ट होइत जे नीतीश सरकार बिहार कए एजुकेशनल हब बनेबाक जे कोशिश केलक अछि, ओकर सुखद परिणाम केना देखबा मे आबि रहल अछि। एसोचेम क परपोर्ट क अनुसार निवेश मे विकास क दृष्टि स चारि टॉप स्टेट (एहि वित्तीय वर्ष क तिमाही मे) अछि। ओहि मे बिहार दोसर नंबर पर अछि। जे झारखंड खनिज संपदा क दृष्टि स दुनिया क सबस महत्वपूर्ण क्षेत्र मे मानल जाइत अछि, ओकर की दुर्गति अछि? ओहि ठाम निवेश मे -98.78 फीसदी क गिरावट क स्थिति अछि। यह झारखंड अक्तूबर-दिसंबर 2007-08 मे, देश मे पांचम स्थान पर छल। मुदा एकर दुर्गति कए, एहि ठामक मंत्री क लूट, भ्रष्टाचार स जोड़ि कए देखू, त तसवीर साफ भ जाइत। आब झारखंड पांचम स खिसक कए 15म पर पहुंच गेल अछि। जखन कि बिहार, अक्तूबर-दिसंबर 2007-08 मे 21म स्थान पर छल, आब बिहार 2008-09 (अक्तूबर-दिसंबर) मे 14म स्थान पर पहुंच गेल। जखन बिहार बंटल, त इ गीत काफी लोकप्रिय भेल छल, बिहार क लोक बालू फांकताह। आइ ओ बिहार कतय आ कौन स्थिति मे अछि। जखन कि ओ गीत सुनी कए गदगद भ रहल खनिज संपदा स भरपूर झारखंड क की दुर्दशा है! इ राजनीतिक नेतृत्व क फर्क अछि। मुदा सबस कठिन आ मौलिक यक्ष प्रश्न अछि जे की बिहारी बदलय चाहैत छथि? किया कि बिहार कए बदलबाक अछि, त बिहारी कए बदलल पड़त। आत्मसम्मान क लेल. अपन प्रतिभा आ श्रम क लेल। अपन दुनिया बेहतर आ समृद्ध बनेबा लेल आ ओकरा संवारबा लेल। पिछला दू-तीन दशक स मशहूर अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री और समाजविज्ञानी डॉ शैबाल गुप्ता आ आद्री, बिहारी उपराष्ट्रीयता क गप करैत रहल छथि। एकरा यथार्थ मे मात्र बिहारी उतारि सकैत अछि। जीवन मे ढालि सकैत अछि। बिल गेट्स एक ठाम कहने छथि, '..चीनीक बाद दक्षिण भारतीय, दुनिया मे 'स्मार्टेस्ट' लोक छथि'। की इ चुनौती बिहार रचनात्मक ढंग स स्वीकार नहि करि सकैत अछि? बिहार क युवा प्रतिभा आ श्रम मे ककरो स कम अछि। गांधीजी कहने छलाह, काज स्वत बजैत अछि। की हम अपन आचरण आ काज स दुनिया आ देश मे अपन छाप नहि छोड़ि सकैत छी? की हम स्वत आगू बढ़ि कए बिहार मे सामाजिक बदलाव आ विषमता दूर करबाक माहौल नहि बना सकैत छी? अंततः राज्य समृद्ध होइत, विकसित होइत, तखने बिहार गरीबी क अभिशाप स आ बीमारू राज्य क अभिशाप स मुक्त होइत। इ पैघ घटना अछि जे बिहार क राजनीतिक एजेंडा बदलि गेल अछि। एहि ठाम राजनीतिक एजेंडा आब विकास अछि, मुदा अंततः हर बिहारी कए एकरा आचरण मे तब्दील करबाक अछि। जात-पात छोड़ि कए, अत्यंत पिछड़ा, दलित, महिला आ गरीब कए प्राथमिकता क आधार पर आगू आनि कए। अगर इ जनमानस बनि जाए आ संग मे विकास राजनीतिक एजेंडा बनल रहे, त बिहार छलांग लगा सकैत अछि।

2000
न दृष्टि
न लक्ष्य
2005
2009
2015
स्पष्ट दृष्टि
स्पष्ट लक्ष्य

बदलैत बिहार

> एसोचेम क एहि परपोर्ट क सारांश अछि जे वर्ष 2008-09 क तेसर तिमाही मे केवल चारिटा राज्य पोजिटिव ग्रोथ (सकारात्मक प्रगति) केलक अछि। एहिमे राजस्थान, पहिल स्थान पर अछि, 245 फीसदी क संग। बिहार दोसर नंबर पर अछि, 100 फीसदी क संग। फेर पंजाब (41.6 फ़ीसदी) आ उत्तरप्रदेश (26.8 फीसदी) अछि।

> इ परपोर्ट आ निष्कर्ष अपने आप मे बिहार क लेल गौरव क विषय हेबाक चाही। पहिल बेर बिहार कए बीमारू नहि कहबाक गप, अपने आप मे प्रेरक अछि। जश्न और उत्सव क विषय अछि। बिहार बदलि सकैत अछि, बिहार बढ़ि सकैत अछि आ बिहार विकसित भ सकैत अछि।

बाकी पेज तीन पर

बिहार में लोकसभाक लेल चुनाव चारि चरण मे हाइत। चुनावक मैदान मे जीत-हार हाइत आइल अछि। हमर तीनू योद्धा तैयार छथि। 'समाद' चुनावी समाचार स बचबाक फैसला लेलक अछि। मुदा एतबा इच्छा अछि जे एहि चुनाव मे जीत 'बिहार' क हुए।

सुपर 30 कहानी देखू डिस्कवरी चैनल पर

पटना। देश क प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी सहित अन्य इंजीनियरिंग कॉलेज मे दाखिला लेबालेल आयोजित होइवाला परीक्षा क बिहार क गरीब परिवार क बच्चा कए मुफ्त तैयारी कराबे वाला सुपर 30 कोचिंग संस्थान क सफलता क कहानी फिल्म क रूप मे डिस्कवरी चैनल पर प्रदर्शित कैल जाइत। रामानुजम स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स क नाम स संचालित सुपर 30 क संचालक आ गणितज्ञ आनन्द कुमार कहलथि जे हुनकर कोचिंग संस्थान पर आधारित उक्त फिल्म क प्रसारण 14 स 29 मार्च क बीच अलग-अलग समय पर प्राइम टाइम मे चारि बेर कैल जाइगा। ओ कहलथि जे एक घंटा क एहि वृत्तचित्र क पहिल प्रसारण आगामी 14 मार्च क राति नौ बजे होइत आ ओकर बाद अगिला दिन भोरे तीन बजे कैल जाइत। इ हिन्दी आ अंग्रेजी दूनू भाषा मे प्रसारित कैल जाइत। आनन्द कुमार कहलथि जे एकर अगिला प्रसारण आगामी 21 मार्च कए भोरे नौ बजे आ 29 मार्च कए सांझ 5.30 बजे दोबारा कैल जाइत। ओ कहलथि जे एहि फिल्म क निर्माण वेरोनिका हाल द्वारा कैल गेल अछि आ एकर निर्देशन क्रिस्टोफर मिशेल केलथि अछि। उक्त फिल्म मे सात साल पहिने आनन्द द्वारा शुरु कैल एहि अभिनव प्रयोग क सबटा पहलु पर रोशनी डालल गेल अछि आओर एकरा पूरा हेबाक मे एक वर्ष लगल अछि। फिल्म मे बताउल गेल अछि जे वंचित समाज क बच्चा केना आईआईटी मे दाखिला पावैत छथि। बिहार लेल इ एकटा गौरवक विषय अछि।

नोबल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन बिहार कए देलथि सफलता क कुंजी

इतिहास स सीखू विकास

पटना। नोबल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन बिहार कए सफलता क कुंजी देलथि अछि। अपन व्याख्यान मे ओ नहि केवल बिहार क स्वर्णिम इतिहास क विश्लेषण कैलथि बल्कि ओहि स सबक लेबाक सलाह सेहो देलथि। सेन वर्तमान युग मे बिहार कए पिछड़ि जेबाक कारण कए सेहो गिनौलथि। ओ कहलथि जे बेहतर भविष्य क लेल किछु नुस्खा अपनाउल जाए। ओ कहलथि जे मनोविज्ञान क नवसृजन स बिहारक विकास होइत। प्रदेश कए चंद्रगुप्त मौर्य, सम्राट अशोक आ शेरशाह सन महान शासक क काज स सीख लेबाक चाही। अपन डेढ़ घंटाक लेक्चर मे ओ समाज स असमानता दूर करबा पर विशेष बल देलथि आओर नालंदा विश्वविद्यालय क पुनर्स्थापना क लेल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क सराहना केलथि। मुख्यमंत्री कुमार आ उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी क उपस्थिति मे आद्री द्वारा आयोजित 'बिहार : अतीत, वर्तमान आ भविष्य' विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे ओ कहला जे प्रदेश आइ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक असमानता आदि ओ सब मामला मे पिछड़ल अछि, जाहि मे अतीत मे कहियो इ विश्व मे सबस आगू छल। अतीत क चर्चा करैत सेन कहला जे मौर्य काल मे पूरा भारत एक शासन क तहत छल, समान कानून-व्यवस्था छल। मौर्य इ काज अपन लगातार मेहनत स केलक। कलिंग विजय क बाद सम्राट अशोक जखन लौटलाह त ओ सेना कए दरकिनार कए सामाजिक समानता, सुशासन आ नैतिकता पर विशेष ध्यान देलथि। महिला कए सेहो भागीदार बना कए ओकरा सशक्त केलथि। मध्यकाल मे शेरशाह इ काज बड़ खूबसूरती स केलथि। इ बुझबाक बावजूद जे हुनकर सामना दोबारा मुगल हुकुमरान स भ सकैत अछि, ओ सड़क आ पुल क निर्माण करौलथि। हुनकर शासन क बाद सत्ता क केन्द्र बिहार स बाहर दिल्ली भ गेल। अमर्त्य सेन कहला जे नालंदा विश्वविद्यालय क बर्बादी करीब 800 साल क अनहार प्रदेश कए सामने आनि देलक। ब्रिटिश काल मे भेल असमान विकास क सबसे पैघ भोगी प्रदेश बिहार रहल। बंगाल क चिकित्सक, शिक्षक आ अन्य बुद्धिजीवी कए ब्रिटिश शासन अपन लग मे रखलक, जेकर कारण स बिहार क विरोधी स्वर बहुत मुखर रहल। एकरो खमियाजा प्रदेश कए भुगतय पड़ल। सेन कहलथि जे बेहतर भविष्य क लेल मनोविज्ञान क नवसृजन क आवश्यकता अछि। इ उत्प्रेरक पैकेज क काज करत। विकास क लेल लगातार प्रयास करय पड़त। शासन मे यूनियन क भागीदार बनबैय पड़त इ काज पश्चिम बंगाल करि रहल अछि। सामाजिक असमानता, मानव संसाधन क विकास कए पैमाना आ बेहतर कनेक्टीविटी कए ध्यान मे रखिकए आगू बढ़य पड़त। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपन संक्षिप्त भाषण मे कहला जे पिछला दू साल स प्रो सेन कए बिहार अनबाक हुनकर प्रयास सफल भेल अछि। प्रो सेन विश्व क पूर्वी हिस्सा क बौद्धिक सत्ता छथि आओर एहि रूप मे प्रदेश पधारलथि अछि। बिहार अगर विकसित होइत, त एहि ठाम स कइटा प्रो सेन जन्म लैत। जेएनयू क प्रो अंजन मुखर्जी क अध्यक्षता मे भेल एहि संगोष्ठी मे अनेक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, शिक्षक आ युवा उपस्थित छलाह। इस अवसर पर आद्री क सदस्य सचिव शैबाल गुप्ता, पीपी घोष आदि सेहो मौजूद छलाह।

बदलैत बिहार
हमर नजरि स

मुख्यमंत्री आइ-काल्हि विकास यात्रा पर छथि। ओ गाम-गाम जा कए लोकक समस्या सूनी रहल छथि

बीमारू नहि रहल बिहार

देश आ दुनिया कए बाट देखा सकैत अछि। मुदा एकरा लेल सरकार आ समाज दूनू कए कठोर डेग क लेल तैयार रहय पड़त। बिहार मे 30 दिन स हड़ताल चलि रहल छल। की इ सरकारी कर्मचारी कहियो बिहार क बारे मे सोचैत छथि? बिहार क कुल आबादी अछि 9.72 करोड़। राज्य सरकार क कुल कर्मचारी छथि 3.5 लाख। हड़ताल पर छलथि, लगभग 2.5 लाख। राज्य सरकार क सबटा कर्मचारी कए परिवार समेत जोड़ दी, त इ संख्या दो फीसदी क आसपास अछि। मुदा हिनकर वेतन आ भत्ता पर खर्च अछि, सकल घरेलू उत्पाद क 10 फीसदी। इ विषमता! तइयो कर्मचारी हड़ताल पर! बिहार क प्रतिव्यक्ति आय अछि, 481 टका। गरीबी रेखा स नीचा क आबादी अछि, लगभग 5 करोड़ 65 लाख। जखनकि सरकारी महकमा मे तीसर आ चारिम पायदान पर काज कनिहार क मासिक आय 11000 स 20000 टका। इ सरकारी कर्मचारी नव युग क सामंत, जमींदार आ राजा छथि। इ संगठित क्षेत्र क लोक छथि। प्रतिवर्ष योजना व्यय, जाहि पर राज्य क विकास निर्भर अछि, साढ़े नौ करोड़ लोक क भविष्य निर्भर अछि, जे 13500 करोड़ अछि। मुझ आबादी क दू फीसदी लोक क वेतन आ पेंशन मद पर 16000 करोड़ खर्च! भारत मे संगठित क्षेत्र केना असंगठित लोक पर जुल्म करि रहल अछि, ओकर इ एकटा नमूना अछि। बिहार छठम वेतनमान लागू केलक अछि। मुदा सूचना अछि जे पश्चिम बंगाल, केरल, त्रिपुरा छठम वेतनमान लागू नहि केलक अछि। विकसित आ धनी राज्य तमिलनाडु, कर्नाटक आ आंध्रप्रदेश सेहो छठम वेतनमान लागू नहि केलक अछि। असम, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब सेहो छठम वेतनमान लागू नहि केलक अछि। जे राज्य सबस धनी मानल जाइत अछि, प्रतिव्यक्ति आमद मे सेहो सबसे ऊपर मानल जाइत अछि, ओइ महाराष्ट्र- गुजरात मे सेहो छठम वेतनमान लागू नहि भेल अछि। मुदा बिहार सरकार क कर्मचारी छठम वेतनमान लागू होएबाक बादो हड़ताल पर छलाह। इ बिहार क विकास चाहैत छथि या विनाश? एहिने आचरण क कारण बिहार बीमारू बनल रहबा लेल अभिशप्त छल। बिहार बीमार रहल, त बिहारी अवसर क तलाश मे दर-दर भटकैत रहल, अपमानित होइत रहल। एहिना मे हम बिहारीये बिहारी क अपमान क मूल मे छी। राज ठाकरे त बाह्य कारण अछि। कर्मचारी संघ क नेता एहि विषमता क केना जवाब देताह? इ बुझब आओर रोचक अछि। इ कर्मचारी नेता आइएएस अफसर आ मंत्री क वेतन वृद्धि आ सुविधा क उद्धरण द कए अपन मांग कए जायज साबित करय चाहैत छथि। हेबाक त इ चाहि जे इ मजदूर नेता कहैत जे हमारे वेतन आ पेंशन मद पर खर्च घटाउ। नेता आ मंत्री पर खर्च घटाउ आ बिहार क असंगठित क्षेत्र क लोक क विकास पर खर्च करू, ताकि बिहार बढ़े, बिहारी नहि भटकैथि। बिहारी कए राज ठाकरे स अपमानित नहि हुए पड़े। सरकारी कर्मचारी पर श्वतखोरी के खिलाफ अभियान चलितय। बिहार क विकास कए गप करितथि, त एक्टा नव गप होइत। राज ठाकरे को माकूल जवाब भेटत।

बाकी अगिला अंक मे

सिनेमा देखबा लेल रिक्शा स गेलाह नीतीश

दुपहरिया मे पहिने त लोक बुझबे नहि केलक जे माजरा की छैक। रिक्शा पर बैसल नीतीश कुमार कए स्कूल बस पर सवार बच्चा बेली रोड मे जाइत देखलक त हाथ हिलाबे लागल। मुख्यमंत्री सेहो हाथ हिलेलथि। लोग हैरान जे हुनकर मोटरसाइकिल क बगल स जा रहल रिक्शा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बैसल छथि। बेली रोड आ फेर तारामंडल होइत अशोक सिनेमा तक जाइवाला सड़क पर किछु एहने नजारा छल। न कोई सायरन न कोई बैरकेडिंग और सामने रिक्शे पर सवार सीएम। लोक कए मुख्यमंत्री हाथ हिलाकए अभिवादन करैत जा रहल छलाह।सुरक्षाकर्मी साइकिल स चलि रहल छल। रिक्शा पर सवार मुख्यमंत्री कए देखबा लेल सड़क क दूनू दिस काफी भीड़ लागि गेल। मुख्यमंत्री एक अणे मार्ग स रिक्शा पर सवार भ डैनी बाएल क आठ आस्कर पुरस्कार विजेता फिल्म 'स्लमडाग मिलेनियर' देखबा लेल अशोक सिनेमा हाल पहुंचलाह। चुनाव क समय मे ऐना इत्मीनान स फिल्म देखबाक गप जखन मुख्यमंत्री स पूछल गेल त बड़ सहज अंदाज मे कहला-अरे भाई इम्तिहान क समय त भुसकौल विद्यार्थी पढ़ैत छैक। हम त पहिने तैयारी केने छी जस्ट रिलैक्स। सिनेमा हाल क पहिल गेट कए मुख्यमंत्री क रिक्शा लेल सुरक्षित रखल गेल छल। ओ रिक्शा स उतरिकए सीधा टिकट काउंटर पर गेलाह आओर अपने जेब स पाइ निकालि डीसी क दसटा टिकट किनलाह। किछु टिकट विधायक ज्ञानू कए द कहलाह, संग आइल लोक मे बांटि दीयउ।

अंक-24, साल-2, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : पुतुल सिंह
नेट समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)